सीरियाई गृहयुद्ध और सीरिया का भविष्य

प्रिलिम्स के लिये:

इस्लामिक उग्रवादी समूह, हयात तहरीर अल-शाम, अरब स्प्रिंग, हिज़्बुल्लाह, इस्लामिक स्टेट ऑफ ईराक एंड सीरिया, तालिबान, संयुक्त राष्ट्र, प्रॉक्सी युद्ध, इस्लामिक सहयोग संगठन

मेन्स के लिये:

सीरियाई संघर्ष के बीच भारत के रणनीतिक हित, बहुपक्षवाद में आतंकवादी समूहों का उदय, भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले समूह और समझौते

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इस्लामी आतंकवादी समूह **हयात तहरीर अल-शाम (HTS)** के नेतृत्व में सीरियाई विद्रोहियों ने **सीरिया के तीसरे सबसे बड़े शहर होम्स** पर नियंत्रण का दावा किया है, जो राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के लिये एक बड़ा झटका है।

- **चल रहे गृहयुद्ध** के बीच इस घटनाक्रम ने सीरिया के भविष्य को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं, क्योंकि उसे **विद्रोही गुटों से बढ़ती चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।**

//

SYRIA
IRAN
IRAQ
ISRAEL

सीरियाई गृहयुद्ध को आकार देने वाले प्रमुख कारक क्या हैं?

- **सीरिया और गृहयुद्ध:**

- **ऐतिहासिक संदर्भ:** वर्ष 1971 से सीरिया पर असद परिवार का शासन रहा है**, जिसमें हाफिज़ अल-असद वर्ष** 2000 में अपनी मृत्यु तक सत्तावादी नेता के रूप में कार्यरत रहे।
  - उनके बेटे बशर अल-असद ने उनका स्थान लिया और सत्ता पर परिवार की पकड़ जारी रखी।
- **अरब स्प्रिग विद्रोह:** वर्ष 2011 में अरब स्प्रिग की लहर के बीच, असद के शासन के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन आरंभ हो गए।
  - अरब स्प्रिग, **लोकतंत्र समर्थक विरोधों** और विद्रोहों की लहर है, जो वर्ष 2010 और वर्ष 2011 में**मध्यपूर्व और उत्तरी अफ्रीका में** आरंभ हुई, जिसने क्षेत्र के कुछ स्थापित सत्तावादी शासनों को चुनौती दी।
  - शिकायतें अनेक थीं, जिसमें बढ़ती **बेरोज़गारी,** आर्थिक असमानता और **भ्रष्टाचार शामिल थे।**
  - **अलावी अल्पसंख्यक (सीरिया में एक अल्पसंख्यक मुस्लिम संप्रदाय)** के प्रभुत्व वाली असद सरकार पर**सुन्नी बहुसंख्यकों को** हाशिये पर रखने का आरोप लगाया गया था।
- **गृहयुद्ध में वृद्धि:** अरब स्प्रिग की शुरुआत शांतपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के हिंसक दमन के साथ हुई, जिसके परिणामस्वरूप**सशस्त्र संघर्ष हुआ।**
  - यहाँ विदेशी ताकतों के समर्थन से कई विद्रोही गुट उभरे, जिनका लक्ष्य**असद को सत्ता से हटाना था।** अंततः **सीरिया में असद के शासन का पतन हो गया।**

- **विद्रोही गुटों का उदय:**
  - **हयात तहरीर अल-शाम: दमिश्क, अलेप्पो, होम्स और हमा** समेत सीरिया के अधिकांश हिस्सों पर कब्ज़ा करने और नियंत्रण करने के लिये ज़िम्मेदार प्राथमिक समूह **हयात तहरीर अल-शाम (HTS)** है, जो मूल रूप से **सीरिया में अल-कायदा की शाखा है।**
    - इस समूह का लक्ष्य **सुन्नी-इस्लामी शासन स्थापित करना** है, यह असद का प्रमुख विरोधी रहा है।
  - **सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (SDF)**: **कुर्द (ईरानी जातीय समूह) के नेतृत्व वाली मिलिशिया,** SDF मुख्य रूप से **सीरिया की कुर्द आबादी के लिये स्वायत्तता और अधिकारों को सुरक्षित करने पर केंद्रित है।**
    - यद्यपि वे असद के प्रत्यक्ष शत्रु नहीं हैं, फिर भी वे व्यापक विपक्षी ताकतों का हिस्सा हैं।
  - **फ्री सीरियन आर्मी (FSA): तुर्किये** द्वारा समर्थित यह गुट मुख्य रूप से कुर्द अलगाववाद की चिंताओं के कारण असद शासन और कुर्द बलों दोनों का विरोध करता है।
- **विदेशी प्रभाव**:
  - **रूस और ईरान**: ये देश असद के प्राथमिक सहयोगी रहे हैं, जो उसे सैन्य सहायता और रणनीतिक समर्थन प्रदान करते रहे हैं।
  - **अमेरिका और तुर्किये**: दोनों ने असद विरोधी गुटों का समर्थन किया है, लेकिन तुर्किये की मुख्य चिंता सीरिया के भीतर कुर्द का प्रभाव है।
  - **इजराइल**: फिलिस्तीन के प्रति सीरिया के ऐतिहासिक समर्थन को देखते हुए, इजराइल ने असद की सेनाओं के खिलाफ हमले किये हैं, जिससे भू-राजनीतिक गतिशीलता और अधिक जटिल हो गई है।
- **असद शासन का पतन:** बशर अल-असद का शासन रूस, **ईरान और हिजबुल्लाह** जैसे प्रमुख सहयोगियों से बाहरी समर्थन पर बहुत अधिक निर्भर था। हालाँकि, समय के साथ, भू-राजनीतिक गतिशीलता में बदलाव के कारण ये गठबंधन कमज़ोर हो गए।
  - **वर्ष 2023 में इजरायल-हमास संघर्ष** के दौरान सीरिया में इजरायल के हवाई हमलों ने असद की सैन्य ताकत को कमज़ोर कर दिया। रूस ने अपना ध्यान **यूक्रेन में युद्ध पर** केंद्रित कर लिया तथा ईरान ने सीरिया में महत्त्वपूर्ण सैन्यकर्मियों को खोने के बाद इसमें अपनी भागीदारी कम कर दी।

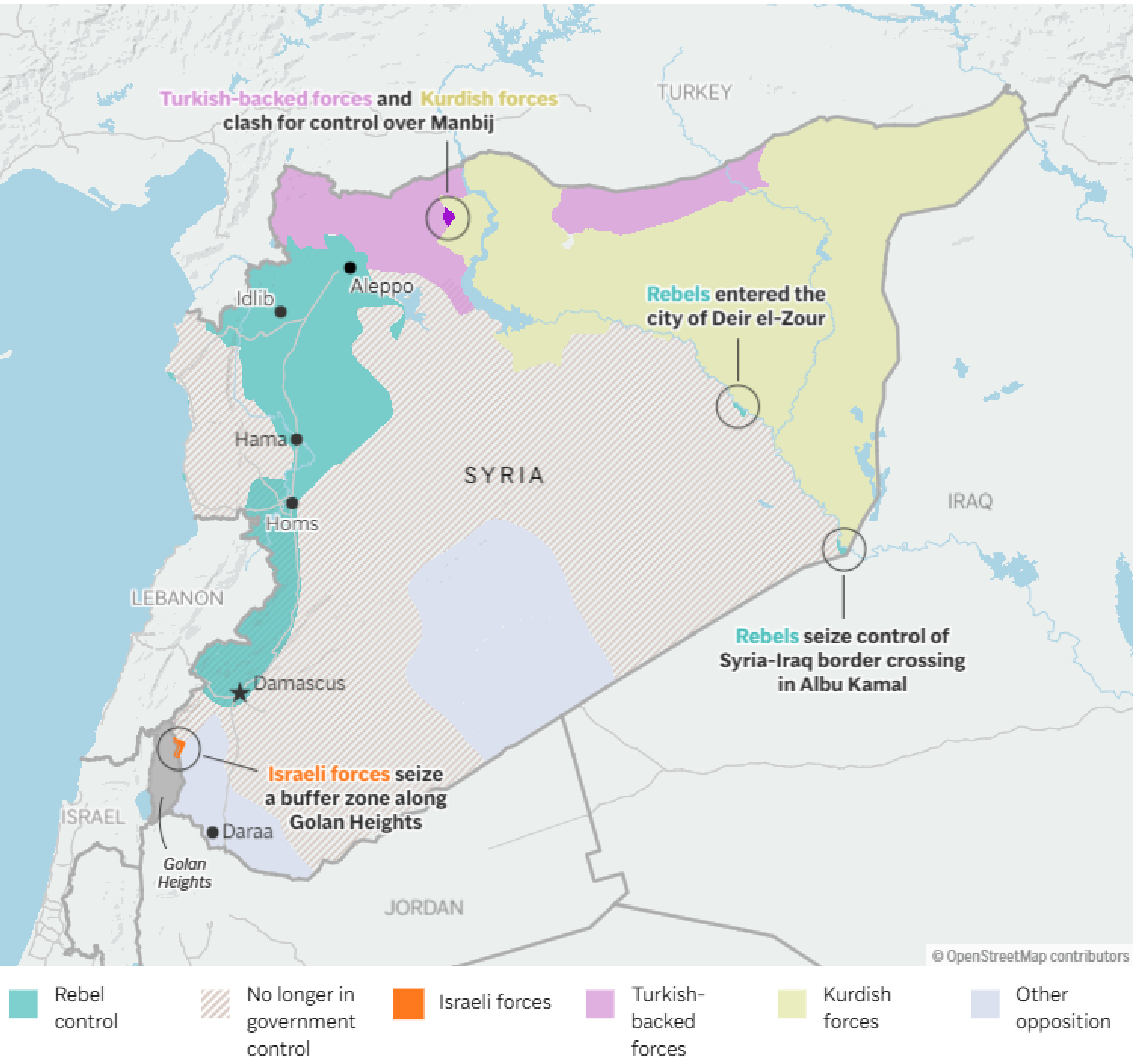
Turkish-backed forces and Kurdish forces clash for control over Manbij
TURKEY
Aleppo
Idlib
Rebels entered the city of Deir el-Zour
Hama
SYRIA
IRAQ
Homs
LEBANON
Rebels seize control of Syria-Iraq border crossing in Albu Kamal
Damascus
Israeli forces seize a buffer zone along Golan Heights
ISRAEL
Daraa
Golan Heights
JORDAN
© OpenStreetMap contributors
Rebel control
No longer in government control
Israeli forces
Turkish-backed forces
Kurdish forces
Other opposition

Areas of control as of 9 p.m. on Dec. 8 and are approximate.

Source: Institute for the Study of War and AEI's Critical Threats Project / Graphic: Phil Holm

हयात तहरीर अल-शाम

- हयात तहरीर अल-शाम (Hayat Tahrir al-Sham- HTS) की स्थापना वर्ष 2011 में सीरिया में अल-कायदा की शाखा, **जबात अल-नुसरा** के रूप में हुई थी। **वर्ष 2016 में यह अलग होकर जबात फतेह अल-शाम (Jabhat Fateh al-Shaam- JFS) बन गया,** जिसका उद्देश्य **शाम या लेवेंट** (मध्य पूर्व का उप-क्षेत्र जो भूमध्य सागर के पास स्थित है, जिसमें जॉर्डन, सीरिया, लेबनान, इज़राइल और फिलिस्तीन शामिल हैं) की मुक्ति है।
- वर्ष 2017 तक **कई अन्य समूहों के साथ विलय के बाद JFS, HTS बन गया।**

सीरिया के प्रति भारत का दृष्टिकोण क्या है?

- **ऐतिहासिक संबंध:** भारत ने साझा ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों के आधार पर बशर अल-असद के सीरिया के साथ लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे हैं।
    - ऐतिहासिक रूप से सीरिया नेहरू-**समर्थित गुटनिरपेक्ष आंदोलन (Non-Aligned Movement- NAM) का एक महत्त्वपूर्ण सदस्य रहा है।**
    - **सीरिया और मध्य-पूर्व के प्रमुख देशों** के साथ भारत के स्थिर संबंध मुस्लिम बहुल देशों में **पाकिस्तान द्वारा किये जाने वाले दुष्प्रचार का मुकाबला करने** के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- **हालिया सामरिक सहभागिता:** मुस्लिम बहुल देश सीरिया ने **कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख** का लगातार समर्थन किया है, जबकि इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) के कई अन्य देश, विशेषकर पाकिस्तान, प्रायः इसका विरोध करते हैं।
    - **भारत ने तिशरीन विद्युत संयंत्र** और **हामा लौह एवं इस्पात संयंत्र** जैसी परियोजनाओं में निवेश किया है।
    - भारत ने **ऑपरेशन दोस्त** के तहत फरवरी 2023 में जनित भूकंप के बाद सीरिया को मानवीय सहायता प्रदान की थी।

    - 2024 के अंत में, भारत द्वपिक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करते हुए **भारत-सीरयिा वदिश कार्यालय परामर्श के छठे दौर की मेज़बानी** करेगा।
- **संकट के बीच अवधान:** भारत ने सीरयिा की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए एक **शांतपिूर्ण, समावेशी, सीरयिाई नेतृत्व वाली राजनीतकि प्रक्रम** के अनुसरण का आह्वान कयिा है।
    - इसके साथ ही भारत ने चल रहे संघर्ष में अलावी, ड्रूज़, कुर्द और ईसाइयों सहति अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भी चतिा व्यक्त की है।
    - भारतीय वदिश मंत्रालय ने सीरयिा में भारतीयों के लयि चेतावनी जारी की है तथा यथसंभव उन्हें वापसी करने का की सलाह दी है, क्योंक राजधानी में स्थति गिंभीर होती जा रही है।
- **भारत-सीरयिा संबंधों का भवष्यि:** क्षेत्रीय मलिशियिा के साथ तुर्कयि का सहयोग सीरयिा के साथ भारत के संबंधों को प्रभावति कर सकता है। इसके अतरिक्ति, पाकस्तान के साथ उसके घनष्ठि संबंध और कश्मीर के मामलों पर भारत के प्रत तुर्कयि का वरिोध **उनके संबंधों को और जटलि बनाता है।**
    - **सीरयिा में असद के पश्चातवर्ती परवि्रतन के लयि अमेरकिा का समर्थन** तथा भारत के साथ उसकी घनष्ठि रणनीतकि सहभागति, सीरयिा-भारत संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।
    - इस बीच, **असद का प्रमुख सहयोगी ईरान, भारत के साथ सुदृढ़ संबंध बनाए हुए है,** वशिष रूप से आर्थकि और सामरकि सहयोग के क्षेत्रों में।
    - सीरयिा के आंतरकि मामलों पर भारत का **तटस्थ रुख** कूटनीतकि स्थति स्थिापकता सुनश्चिति कर सकता है, इससे उसे भवष्यि की कसिी भी सरकार के साथ सकारात्मक सहभागति करने और **साझा हतिों** और **क्षेत्रीय स्थरिता** पर आधारति संबंध वकिसति करने की अनुमत मलिगी।

सीरयिाई वद्रिोह के नहितािर्थ क्या हैं?

- **सीरयिा और मध्य पूर्व पर प्रभाव:**
    - **हयात तहरीर अल शाम (HTS) का प्रभाव** : अल्पसंख्यकों के प्रत समावेशति के HTS के दावों के बावजूद, इसका हसिक इतहिास और कट्टरपंथी वचिारधारा यह चतिा जनति करती है क सीरयिा का भवष्यि तालबिान शासति अफगानस्तान के समान हो सकता है।
        - सीरयिा की जातीय और सांप्रदायकि ववधिता, जसिमें **सुन्नी अरब, अलावाइट्स, कुर्द, शयिा और ईसाई शामलि हैं, देश को एक शासन मॉडल के तहत** एकीकृत करने के प्रयासों को जटलि बनाती है।
        - यद HTS **इस्लामकि स्टेट ऑफ इराक एंड सीरयिा (ISIS)** की भाँत कट्टरपंथी मार्ग अपनाता है, तो इससे उग्रवाद की एक नई शक्त अस्तत्वि में आ सकती है।
    - **क्षेत्रीय अस्थरिता:** पड़ोसी देशों को प्रभावति करते हुए तथा क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाते हुए इस वद्रिोह से **मध्य पूर्व की स्थति अस्थरि** हुई है।
        - वभिन्नि अंतर्राष्ट्रीय अभकिर्ताओं की संलप्तिता से सीरयिा **छद्म युद्धों** का युद्धक्षेत्र बन गया है।
        - सीरयिा में वद्रिोह से, वशिष रूप से **तुर्कयि-सीरयिाई सीमा पर** नवािस करने वाला **कुर्द वर्ग** प्रभावति हुआ है।
            - तुर्कयि द्वारा कुर्द समूहों को सुरक्षा हेतु खतरा माना जाता है तथा अस्थरिता के कारण **वसि्थापन एवं संघर्ष बढ़ने से इस क्षेत्र में और भी अधकि असंतुलन** हो सकता है।
- **वैश्वकि प्रभाव:**
    - **मानवीय संकट:** इस संघर्ष के कारण लाखों सीरयिाई लोग वसि्थापति होने से आधुनकि इतहिास में सबसे बड़ा शरणार्थी संकट उत्पन्न हुआ है।
        - **संयुक्त राष्ट्र** की रपिोर्ट के अनुसार लगभग **5.5 मलियिन सीरयिाई शरणार्थी** मुख्य रूप से तुर्कयि, लेबनान, जॉर्डन और यूरोप में रहते हैं।
    - **आतंकवाद और उग्रवाद:** सीरयिा में अराजकता से **ISIS जैसे चरमपंथी समूहों को प्रभाव बढ़ाने का अवसर मलिने से वैश्वकि सुरक्षा के समक्ष खतरा** उत्पन्न हुआ है।
    - **आर्थकि प्रभाव:** इस संघर्ष से इस क्षेत्र में व्यापार मार्गों के साथ आर्थकि गतविधियिाँ बाधति हुई हैं। इससे **वैश्वकि स्तर पर तेल की कीमतों** पर भी प्रभाव (क्योंक मध्य पूर्व में अस्थरिता **अक्सर ऊर्जा बाज़ार में उतार-चढ़ाव का कारण बनती है)** पड़ा है।
        - सीरयिा में अस्थरिता से **खाड़ी क्षेत्र (**जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार के लयि महत्वपूर्ण है) **प्रभावति** हो सकता है।
    - **मानवाधकिार उल्लंघन:** इस युद्ध में व्यापक स्तर पर **मानवाधकिारों का उल्लंघन** (जसिमें रासायनकि हथयिारों का उपयोग, नागरकिों को नशिाना बनाना तथा बुनयिादी ढाँचे को नष्ट करना शामलि है) देखा गया है।

नष्किर्ष

असद शासन का पतन सीरयिाई गृहयुद्ध का प्रमुख आयाम है लेकनि यहाँ पर शांत अभी भी अनश्चिति बनी हुई है। HTS के सत्ता में आने के साथ ही **सीरयिा का भवष्यि वदिेशी प्रभाव एवं आंतरकि वभिाजन सहति वभिन्नि चुनौतयिों** के प्रत संवेदनशील है। भारत को अपने नागरकिों एवं हतिों की सुरक्षा करते हुए सीरयिा के साथ अपने ऐतहिासकि संबंधों को सावधानीपूर्वक संतुलति करना चाहयि।

??????? ?????? ???????? ???????:

प्रश्न: सीरयिाई संघर्ष के नहितािर्थ एवं भारत के सामरकि हतिों पर इसके संभावति प्रभावों पर चर्चा कीजयि।

UPSC सवििल सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2018)

कभी-कभी समाचारों में चर्चित शहर:	**देश**
1. अलेप्पो	सीरिया
2. किरकुक	यमन
3. मोसुल	फिलिस्तीन
4. मज़ार-ए-शरीफ	अफगानिस्तान

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3 और 4

उत्तर: (b)

प्रश्न. दक्षिण-पश्चिम एशिया का निम्नलिखित में से कौन-सा एक देश भूमध्य सागर तक नहीं फैला है? (2015)

(a) सीरिया
(b) जॉर्डन
(c) लेबनान
(d) इज़रायल

उत्तर: (b)

प्रश्न.'गोलन हाइट्स' के नाम में जाना जाने वाला क्षेत्र निम्नलिखित में से किससे संबंधित घटनाओं के संदर्भ में यदा-कदा समाचारों में दिखाई देता है?(2015)

(a) मध्य एशिया
(b) मध्य-पूर्व
(c) दक्षिण-पूर्व एशिया
(d) मध्य अफ्रीका

उत्तर: (b)

प्रश्न. योम किप्पुर युद्ध किन पक्षों/देशों के बीच लड़ा गया था? (2008)

(a) तुर्किये और ग्रीस
(b) सर्ब और क्रोट्स
(c) मिस्र और सीरिया के नेतृत्त्व में इज़रायल और अरब देश
(d) ईरान और इराक

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/syrian-civil-war-and-future-of-syria